केस स्टडी

नंबर 9

सुप्रिमो कौन ?

नामः	खुशबू कुमारी
उम्रः	22 वर्ष
मुखियाः	वर्ष 2015 से
शिक्षाः	बारहवीं (स्नातक कर रही हैं)
अनुभवः	गृहिणी

ग्राम पंचायतः	कुशमाहा
पंचायत समितिः	सरवन
जिलाः	देवघर
राज्यः	झारखण्ड

खुशबू कुमारी झारखण्ड के देवघर जिले में आने वाले सरवन प्रखण्ड के कुशमाहा ग्राम पंचायत की युवा मुखिया हैं। लोगों से प्रायः उनकी मुलाकात ग्राम पंचायत भवन में हो जाती है। इस चर्चा के लिये भी उन्होंने ग्राम पंचायत भवन को ही चुना। चर्चा के दौरान उनके पति, जो कि पास के ही एक सरकारी प्राथमिक विद्यालय में अध्यापक हैं, भी उनके साथ थे। आरम्भिक चर्चा में खुशबू कुमारी ने बताया कि उनके परिवार के बड़े–बुजुर्गों के कहने के आधार पर उन्होंने ग्राम पंचायत के चुनाव में मुखिया पद का चुनाव लड़ना स्वीकार किया। खुशबू कुमारी गर्व से बताती हैं कि उन्होनें सामान्य सीट से चुनाव लड़ा और जीता है जो कि वर्तमान राजनैतिक परिवेश में महिलाओं के लिये एक उपलब्धि के समान है। उनका मानना है कि मुखिया के रूप में काम करने के लिये मिले इस अवसर का उपयोग उनके द्वारा लोगों की सेवा करके किया जायेगा।

अपनी उपलब्धियों को गिनाते हुये खुशबू कुमारी बताती हैं कि पिछले 26 दिसम्बर, 2016 को में उनकी पंचायत को 'कैशलेस पंचायत' घोषित किया गया है जिससे उनकी ग्राम पंचायत की राज्य स्तर पर पहचान बनी है। इस दर्जे को पाने के लिये खुशबू कुमारी ने अपने ग्राम पंचायत में पहले आधार कैम्प लगवाकर सबके लिये आधार कार्ड बनवाया और उसके बाद प्रखण्ड पदाधिकारी की उपस्थिति में बैंक के अधिकारियों को बुला कर ग्राम पंचायत के वार्ड सदस्यों के सहयोग से सभी परिवारों का बैंक में खाता खुलवाया।

खुशबू कुमारी के पति ने इस चर्चा को आगे बढ़ाते हुये बताया कि 'कैशलेस पंचायत' का दर्जा मिलने के बाद ग्राम पंचायत को बैंक की ओर से कस्टमर सर्विस प्वाइंट (सी.एस.पी.) दिया गया है तथा बैंक के अधिकारियों के द्वारा गाँव के व्यापारियों को कैशलेस ट्रांजेक्शन करने, ए.टी.एम. मशीन और डेबिट कार्ड का उपयोग करने, कार्ड को स्वाइप करने, इत्यादि के बारे में जानकारी दी गयी है।

ग्राम पंचायत में किये जा रहे अन्य कामों के बारे में बताते हुये खुशबू कुमारी के पति ने बताया कि मुखिया के रूप में चुने जाने के तुरन्त बाद ग्राम पंचायत के द्वारा प्रस्ताव पास करके गाँव के 84 परिवारों को वृद्धावस्था पेंशन और 97 परिवारों का नाम जोड़ते हुये उन्हें राशन कार्ड उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि शिक्षा के अभाव और रोजगार की कमी के कारण ग्राम पंचायत में पलायन एक बड़ी समस्या है। स्कूलों से ड्रॉप आउट हो जाने वाले 6 बच्चों/बच्चियों को कस्तूरबा विद्यालय में फिर से दाखिल कराने की बात बताते हुये खुशबू कुमारी के पति ने बताया कि ऐसे बच्चे/बच्चियों के परिवारों को समझाया गया और उनको शिक्षा का महत्व बताया गया ताकि भविष्य में उनके द्वारा अपने बच्चे/बच्चियों को ड्रॉप आउट न होने दिया जाये।

ग्राम पंचायत में किये जा रहे अन्य कामों के बारे में जानकारी भी खुशबू कुमारी के पति ने ही दिया। उन्होंने बताया कि महात्मा गाँधी ग्रामीण रोजगार गारन्टी योजना (मनरेगा) के माध्यम से ग्राम पंचायत क्षेत्र में बहुत से डोभा का निर्माण कराया गया है जिससे संबंधित मस्टर रोल पर सभी कामों का सत्यापन मुखिया के द्वारा किया गया है ताकि काम करने वाले लोगों को मजदूरी का भुगतान तुरन्त कराया जा सके। इसके अतिरिक्त ग्राम पंचायत में गंदे पानी की निकासी के लिये नाला, बैठने के लिये चबूतरा, सड़क आदि का निर्माण का काम कराया गया है जिसके लिये 14वें केन्द्रीय वित्त आयोग से मिली राशि का उपयोग किया गया है। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत के द्वारा गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले परिवारों को पशुपालन के लिये सहायता दी जी रही है जिससे उनके परिवारों की आमदनी को बढ़ाया जा सके। इसके अतिरिक्त मुखिया के द्वारा ग्राम पंचायत क्षेत्र में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण कराया गया है जिससे गाँव के लोगों के साथ ही आस–पास के लोगों को भी इसका लाभ मिल सके।

गंदे पानी की निकासी के लिये नाली निर्माण

चर्चा के दौरान खुशबू कुमारी ने बताया कि उनके ग्राम पंचायत में योजना बनाओ अभियान (ग्राम पंचायत डेवलपमेंन्ट प्लान–जी.पी.डी.पी.) के अर्न्तगत ग्राम सभा की बैठक बुलाकर योजना का निर्माण किया गया है। खुशबू कुमारी के पति ने बताया मुखिया के द्वारा जानकारी दिये जाने के बाद योजना बनाओ अभियान और योजना बनाने के काम की जानकारी ग्राम पंचायत के लोगों को ग्राम पंचायत के वार्ड मेंबरों द्वारा दी गई थी। उन्होंने यह भी बताया कि ग्राम सभा की बैठक में मुखिया के द्वारा लोगों की आवश्यकता पर चर्चा कर लेने और प्राथमिकताओं को तय कर लेने के बाद मुखिया के द्वारा लोगों को संबोधित किया गया। खुशबू कुमारी के पति ने ही बताया कि योजना के निर्माण के बाद उसे प्रखण्ड और जिले के अधिकारियों को भेज दिया गया है और इस बारे में सभी जानकारियाँ ग्राम पंचायत में उपलब्ध्ध हैं।

अपने कामों को करने के लिये क्षमता विकास के संबंध में खुशबू कुमारी बताती हैं कि उन्हें मार्च 2016 में सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी और उनके दस्तावेज बनाने के संबंध में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में जाने का मौका मिला था जिसका आयोजन प्रखण्ड स्तर पर किया गया था। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में उन्हें मुखिया के रूप में उनकी जिम्मेदारियों के बारे में भी जानकारी दी गयी। इसके बाद खुशबू कुमारी को पंचायत प्रशिक्षण संस्थान में 14वें वित्त आयोग से मिलने वाली राशि और मनरेगा के कामों की देख–रेख करने के बारे में भी प्रशिक्षण दिया गया। हालाँकि खुशबू कुमारी स्वयं मानती हैं कि उन्हें 14वें वित्त आयोग और सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में और प्रशिक्षण दिये जाने की जरूरत है जिससे ग्राम पंचायत के स्तर पर उनके द्वारा कामों को और अच्छे तरीके से किया जा सके।

अपने कामों के दौरान आने वाली चुनौतियों का जिक्र करते हुये खुशबू कुमारी कहती हैं कि अभी तक उन्हें कोई बहुत अधिक दिक्कत नहीं होती है किन्तु ग्राम पंचायत से प्रखण्ड कार्यालय तक जाने के लिये उन्हें अपने पति पर निर्भर रहना पड़ता है। उनके अनसार मुखिया के लिये वाहन ना होना और बहुत सीमित यात्रा व्यय देने से महिला मुखिया लोगों के लिये समस्या होती है। खुशबू कुमारी का मानना है कि पंचायत क्षेत्र में शराब बनने और उसके पीने के कारण ग्राम पंचायत क्षेत्र में कुछ दिक्कतें होती हैं और इस संबंध में उत्पाद निरीक्षक के पास शिकायत दर्ज करायी गयी है। आबकारी विभाग के द्वारा कुछ छापेमारी का काम किया गया है लेकिन बैद्यनाथपुर को छोड अन्य आस–पास के गाँवों में उसका बहुत असर नहीं हुआ है। हालाँकि खुशबू कुमारी के पति का मानना है कि 'क्योंकि हम यहाँ के सुप्रिमो हैं इसलिये हमारी जिम्मेदारी है कि हमारी ग्राम पंचायत नशामुक्त हो।'

ज्ञान. आवाज़. लोकतंत्र.
प्रिया

SIRD
झारखण्ड सरकार
Change For Growth

unicef
for every child